बालमन

Powered by Teachers of Bihar

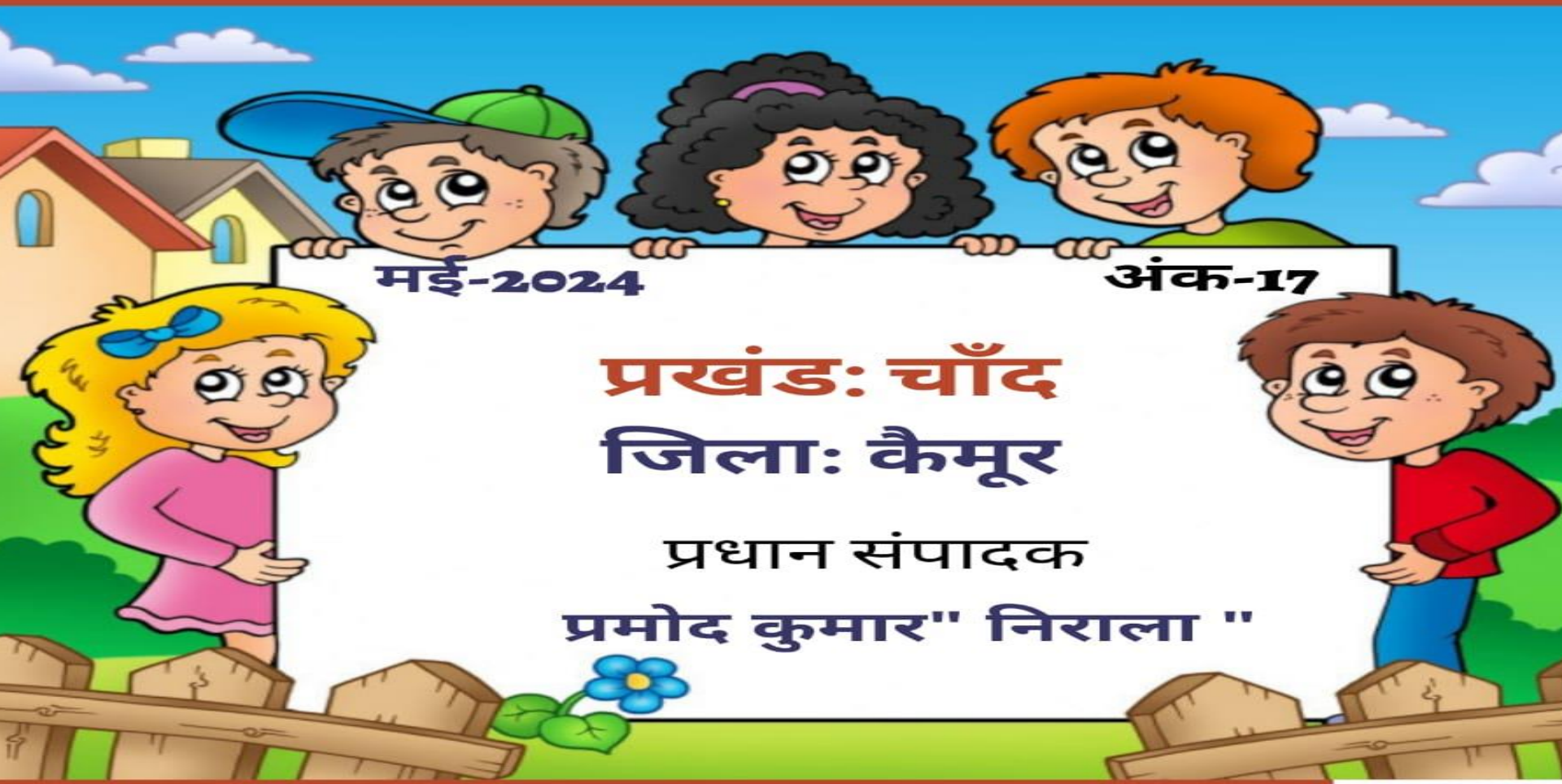

मई-2024

अंक-17

प्रखंड: चाँद

जिला: कैमूर

प्रधान संपादक

प्रमोद कुमार" निराला "

Pramod Kumar- +91 9661547325 Dheeraj Kumar- +91 9431680675

+91 7250818080

wwww.teachersofbihar.org

info@teachersofbihar.org |

teachersofbihar@gmail.com

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,

(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र / छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से **"बाल मन कैमूर"** पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए **"बाल मन कैमूर"** के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,
नमस्कार

बालमन पत्रिका 17 वी अंक को समर्पित करते हुए उम्मीद करते हैं कि आप सभी सकुशल और स्वस्थ होंगे। आप सभी बच्चों की प्रतिभाएं दिन प्रतिदिन एक नया आयाम कायम कर विद्यालय, प्रखंड, जिला, राज्य और देश में प्रकाश बिखर रही है। आप सभी इसी प्रकार निरंतर रचनात्मक कला और नवाचार करते रहे। नि:सदेह आप सभी का कार्य सराहनीय तथा जिले को पहचान बनाने में अधिक सशक्त बनाएगा। साथ ही गर्मी का मौसम चल रहा है आप सभी घर पर रहकर नवाचार करते रहे और अपनी कला को बालमन चांद टीम तक जरूर पहुंचाएं।

हमारे बालमन चांद टीम बेहतर से बेहतर कार्य करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।

आप सब की उज्जवल भविष्य की कामना के साथ।

प्रमोद कुमार
क.म.वि.चांद, कैमूर

सहयोगी सदस्य

1-उदय पांडे म.वि.चांद कैमूर
2-मो.असलम म.वि.चांद कैमूर
3-प्रीति कुमारी
उ.मा.वि.बकसडां, करगहर रोहतास
4-मीरा कुमारी म. वि.घटेयां कुदरा कैमूर
5-विनीता तिवारी
प्रा.वि.किशनपुरा कैमूर
6-सुमन सिंह पटेल क.म.वि. चांद कैमुर

@reallygreatsite

सहयोगी सदस्य की कलम

प्यारे बच्चों,

स्नेहमणी आशीर्वाद

मेरे प्यारे बच्चों आपके दिन प्रतिदिन कार्य और अधिगम को देखते हुए बहुत ही हर्षोल्लास के साथ कह रही हूं। कि आप लोग तालाब की तरह नहीं बल्कि एक कुएं की भांति गंभीर बने क्योंकि पानी पीने के लिए कुएं की ही जरूरत होती है। रामनवमी तथा चैती छठ बीत चुका है। ग्रीष्म अवकाश में आप अपनी बहुमुखी प्रतिभा का विकास करें तथा बालमन पत्रिका के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन करते रहे। मेरा पैगाम आप लोग खुश रहें, स्वस्थ रहें।

सुमन सिंह पटेल
क.म.वि.चांद, कैमूर

@reallygreatsite

बिहार राज्य प्रार्थना गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

एम. आर. चिश्ती

www.teachersofbihar.org

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंज़िल से,
सब नज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखरेगी
और प्रतिभा सबकी निखरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्रधनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

अभियान गीत

घर-घर अलख जगाएगें, हम बदलेंगे जमाना।।
निश्चय हमारा, ध्रुव सा अटल है।
काया की रग-रग में, निष्ठा का बल है।।
जागृति शंख बजायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।
बदली हैं हमने अपनी दिशायें।
मंजिल नयी तय, करके दिखायें।।
धरती को स्वर्ग बनायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
श्रम से बनायेंगे, माटी को सोना।
जीवन बनेगा, उपवन सलोना।।
मंगल सुमन खिलायेंगें, हम बदलेंगे जमाना।।
कोरी कल्पना की तोड़ेंगे कारा।
ममता की निर्मल, बहायेंगे धारा।।
समता की दीप जलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।

जन्मदिन विशेष

09 जून 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जीवन में सबसे बड़ा निवेश आप स्वयं हैं।

किरण बेदी

(भारत की प्रथम महिला आईपीएस

जन्म: 09 जून 1949

राकेश कुमा

www.teachersofbihar.org

The change makers

जन्मदिन विशेष 09 जून

राकेश कु

किरण बेदी *Kiran Bedi*, जन्म: 9 जून, 1949) सामाजिक कार्यकर्ता एवं भारतीय पुलिस सेवा की प्रथम वरिष्ठ महिला अधिकारी रही हैं। वह पुदुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल रही हैं। वर्ष 2015 में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होकर राजनीति में प्रवेश किया। उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए अपनी कार्य-कुशलता का परिचय दिया है। वे संयुक्त आयुक्त पुलिस प्रशिक्षण तथा दिल्ली पुलिस स्पेशल आयुक्त (खुफिया) के पद पर कार्य कर चुकी हैं। इस समय वे संयुक राष्ट्र संघ के 'शांति स्थापना ऑपरेशन' विभाग में नागरिक पुलिस सलाहकार' के पद पर कार्यरत हैं। वह वर्ष 2002 के लिए भारत की 'सबसे प्रशंसित महिला' चुनी गयीं।

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

9 जून

मधु प्रिया

अंतर्राष्ट्रीय अभिलेख दिवस 9 जून

मानव सभ्यता के विकास के साथ आम आदमी की जिंदगी में दस्तावेज यानी अभिलेख का महत्व बढ़ता गया। हर आदमी अपने दैनिक जीवन में अभिलेखों को सहेजता और संवारता है। ये अभिलेख हमारा राशन कार्ड, बैंक पासबुक, हमारी डायरी कुछ भी हो सकता है हमारे-आपके सहेजे ऐसे ही दस्तावेज और अभिलेख कई बार पूरे समाज और राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण हो जाते हैं। ऐसे ही अभिलेखों के संरक्षण और प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए हर साल नौ जून को अंतर्राष्ट्रीय अभिलेख दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 2007 में हुई। ऐसे ही अभिलेखों के संरक्षण और प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए हर साल नौ जून को अंतर्राष्ट्रीय अभिलेख दिवस मनाया जाता है। किसी विशेष महत्व अथवा प्रयोजन के लेख को अभिलेख कहा जाता है। यह सामान्य व्यावहारिक लेखों से भिन्न होता है। प्रस्तर, धातु अथवा किसी अन्य कठोर और स्थायी पदार्थ पर विज्ञप्ति, प्रचार, स्मृति आदि के लिए उत्कीर्ण लेखों की गणना प्राय: अभिलेख के अंतर्गत होती है। कागज, कपड़े, पत्ते आदि कोमल पदार्थों पर मसि अथवा अन्य किसी रंग से अंकित लेख हस्तलेख के अंतर्गत आते हैं। कड़े पत्तों (ताडपत्रादि) पर लौहशलाका से खचित लेख अभिलेख तथा हस्तलेख के बीचे में रखे जा सकते हैं। मिट्टी की तख्तियों तथा बर्तनों और दीवारों पर उत्खचित लेख अभिलेख की सीमा में आते हैं। सामान्यत: किसी अभिलेख की मुख्य पहचान उसका महत्व और उसके माध्यम का स्थायित्व है।

/teachersofbihar

S u n d a y

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

09 जून

1. **अंतर्राष्ट्रीय अभिलेख दिवस–** अभिलेख इतिहास के बारे में जानने को एक प्रमुख साधन है। अभिलेखों की सुरक्षा, संरक्षण, प्रबंधन, अभिलेखों संबंधी जागरूकता के लिए अंतराष्ट्रीय अभिलेख दिवस प्रतिवर्ष 9 जून को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य आर्काइव्स को सहजता से सभी पाठकों को उपलब्ध कराना है। वर्ष 2008 से यह दिवस मनाया जा रहा है। 9 जून, 1948ई. को ही अंतर्राष्ट्रीय आर्काइव्स परिषद् की स्थापना चार्ल्स समारान द्वारा की गई थी। यह एक अंतर्राष्ट्रीय गैर–सरकारी संस्था है।
2. **अमर शहीद बिरसा मुण्डा दिवस–** वर्ष 1895 में बिरसा मुण्डा ने अंग्रेजों की लागू की गई जमींदारी प्रथा और राजस्व व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई के साथ–साथ सूद खोर महाजन के खिलाफ जंग का ऐलान किया। अंग्रेजों ने बिरसा को पकड़ने के लिये 500 रू0 का ईनाम रखा। ईनाम के लालच में कुछ सहयोगियों के मदद से वे 3 फरवरी, 1900 ई. को पकड़े गये। उन्हें गिरफ्तार का राँची जेल में भेज दिया गया। राँची जेल में ही 9 जून, 1900 को सुबह करीब आठ बजे हैजा के कारण बिरसा की मृत्यु हो गई।
   - **संदर्भ:** वर्ग 8, इतिहास की पुस्तक **'अतीत से वर्तमान भाग–3', अध्याय 4 के उपखंड 'बिरसा मुंडा और मुंडा विद्रोह'** से जोड़कर चर्चा करें।
3. **अब्बास तैय्यब जी का निधन–** अब्बास तैय्यब जी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक महत्त्वपूर्ण सेनानी थे। उनको जालियांवाला बाग हत्या कांड के जाँच के लिये कांग्रेस कार्यसमिति के तरफ से कमिटी का अध्यक्ष बनाया गया था। उन्होंने स्वदेशी आंदोलन का समर्थन किया और महात्मा गाँधी के दांडी यात्रा में भी भाग लिया था। महात्मा गाँधी ने उनकी याद में एक लेख 'हरिजन' अखबार में 'ग्रांड ओल्ड मैन ऑफ गुजरात' नाम की हेडिंग से लिखा था। उनका निधन 9 जून, 1936 ई. को हुआ था।
4. **किरण बेदी का जन्म–** भारत के प्रथम महिला IPS डॉ. किरण बेदी का जन्म 9 जून, 1949 ई. को अमृतसर (पंजाब) में हुआ था। सन् 1972 में भारतीय पुलिस सेवा में सम्मिलित होने वाली वे प्रथम महिला अधिकारी हैं। 35 वर्षों तक सेवा में रहने के बाद वर्ष 2007 में उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृति ले ली। इसके अलावे वे सामाजिक कार्यकर्ता, भूतपूर्व टेनिस खिलाड़ी (एशियाई टेनिस चैम्पियन), लेखिका एवं राजनेता भी हैं। उन्हें 'एशिया का नोबेल पुरस्कार' माना जाने वाला 'रमन मैग्सेसे पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया है। रमन मैग्सेसे पुरस्कार फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रेमन मैग्सेसे की स्मृति में उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जो अपने क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रहे हों।

ToB बालमन विशेषांक

[साप्ताहिक]

विषय : विज्ञान

प्रमुख विद्युत चुम्बकीय तरंगें व उनके अनुप्रयोग

विद्युत चुम्बकीय तरंगें	प्रयोग
रेडियो तरंगे -	सेलुलर फोन, रेडियो, टी0वी0 के तरंग संचरण में होता है
सूक्ष्म तरंगें -	राडार तथा उपग्रहों से सूचना भेजने व माइक्रोवेब ओवन में
अवरक्त किरणें -	रिमोट कंट्रोल व रोगियों की सिंकाई हेतु
गामा किरणें -	नाभिकीय अभिक्रियाओं व कैंसर सेल्स को नष्ट करने हेतु

ीरज कुमार
ान संपादक
बालमन पत्रिका

ToB बालमन

दर्शनीय स्थल

मई 2024

भारत पर्यटन: राजदारी देवदारी झरना

उत्तर प्रदेश के नौगढ़ के जंगलों मे प्राकृतिक सुंदरता के बीच मौजूद राजदरी और देवदरी वॉटरफॉल ंदौली जिला मुख्यालय से तक़रीबन 55 किलोमीटर की दूरी पर सड़क मार्ग पर स्थित है । राजदरी और देवदरी झरना नौगढ़ तहसील मुख्यालय से तकरीबन 15 किलोमीटर पहले चकिया नौगढ़ मार्ग पर घने जंगलों के बीच में मौजूद है। राजदारी वॉटरफॉल से करीबन एक किलोमीटर की दूरी पर चंद्रप्रभा डैम है जिसका पानी राजदरी वॉटरफॉल में गिरता रहता है। राजदरी वॉटरफॉल के ठीक बगल में देवदरी वाटरफॉल मौजूद है। राजदारी और देवदारी वॉटरफॉल करीब 65 मीटर की ऊंचाई से गिरते हैं। इसे पूर्वांचल का कश्मीर या स्वर्ग कहा जाता है। द्रप्रभा सेंचुरी एरिया में स्थित राजदरी व देवदरी जल प्रपात की मनोरम छटा किसी से छुपी नहीं है। इसी का परिणाम है कि यहां सावन व भादों के महीने में कश्मीर व पहलगाम की सुषमा समेटे वादियों को निहारने के लिए पूर्वांचल समेत नीदरलैंड, हालैंड, स्वीटजरलैंड, जापान सहित अन्य परदेशी पर्यटक खुद ब खुद खींचे चले आते हैं।

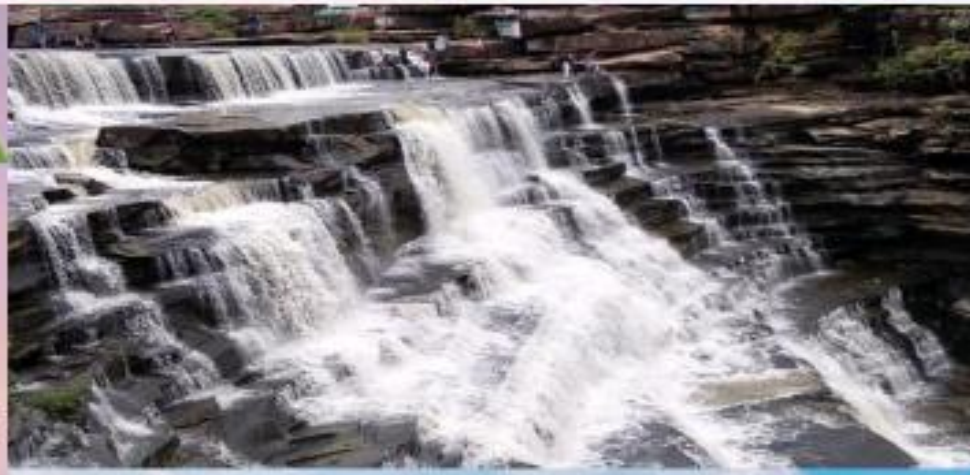

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

मई 2024

नाथालाल सेठ

एक गांव में एक सेठ रहेता था ।उसका नाम था नाथालाल सेठ।वो जब भी गाँव के बाज़ार से निकलता था तब लोग उसे नमस्ते या सलाम करते थे ! वो उसके जवाब में मुस्कुरा कर अपना सिर हिला देता था और बहुत धीरे से बोलता था की-

"घर जाकर बोल दूंगा"

एक बार किसी परिचित व्यक्ति ने सेठ को ये बोलते हुये सुन लिया तो उसने कुतूहल वश सेठ को पूछ लिया कि-

सेठजी आप ऐसा क्यों बोलते हो कि घर जाकर बोल दूंगा ??

तब सेठ ने उस व्यक्ति को कहा- में पहले धनवान नहीं था उस समय लोग मुझे 'नाथू' कहकर बुलाते थे और आज के समय में धनवान हूँ तो लोग मुझे 'नाथालाल सेठ' कहकर बुलाते है । ये इज्जत मुझे नहीं, 'धन' को दे रहे है । इस लिए मैं रोज़ घर जाकर तिज़ोरी खोल कर लक्ष्मीजी (धन) को ये बता देता हूँ कि आज तुमको कितने लोगो ने नमस्ते या सलाम किया ! इससे मेरे मन में 'अभिमान' या 'गलतफहमी' नहीं आती।

सोशल मीडिया से

@reallygreatsite

चिड़िया रानी

(बालकविता)

चिड़िया रानी मेरे आंगन कब आओगी
दूर आसमान की सैर हमें कब कराओगी !
फैले पंखों से कब हमकों भी घुमाओगी
तिनके-तिनके जोड़कर नीड़ा सजाओंगी ||
चिड़िया रानी मेरे आंगन कब आओगी
गुड़िया चहकी कल उसके घर तुम जाओगी |
मुन्ना गुमसुम उसकों कैसे उड़ना बताओगी
मैं खुश न्यारा घोसला मेरे पेड़ों मे सजाओंगी ||
चिड़िया रानी मेरे आंगन कब आओगी
अपने पर मुझे देती मैं झट उड़ जाऊगा |
नंदनवन में जाकर देखूं परिया दिख जायेगी
पंजों को पाकर बहना पेड़ पर चढ़ पायेगी ||
चिड़िया रानी मेरे आंगन कब आओगी
झरनों के कल-कल नीर मे कैसे नहाओगी !
मीठे-मीठे आमों को झट से चख जाओगी
मैं खुश न्यारा घोसला मेरे पेड़ों मे सजाओंगी ||

✍ नीरज सिंह 'अजेय'
उ.म.वि. जनार्दनपुर दुर्गावती कैमूर बिहार

@reallygreatsite

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम

लू से सावधानी बचाएं सबकी जान

प्रदेशवासियों से अपील है कि आप लू के प्रभाव को गंभीरता से लें, इससे बचाव हेतु आवश्यक सावधानी रखें और सुरक्षित रहें...

क्या करें :

- घर के बाहर निकलने के पहले भरपेट पानी अवश्य पिये।
- ढ़ीली, ढीले एवं आरामदायक कपड़े पहने। धूप मे निकलते समय अपना सिर ढंककर रखे, टोपी/कपड़ा/छतरी का उपयोग करे।
- पानी, छांछ, ओ.आर.एस. का घोल या घर मे बने पेय पदार्थ जैसे – लस्सी, नीबू पानी, आम का पना इत्यादि का सेवन करे।
- भरपेट ताजा भोजन करके ही घर से निकले, धूप मे अधिक न निकले।

क्या न करें :

- धूप मे खाली पेट न निकले। शरीर मे पानी की कमी न होने दे।
- मिर्च मसाले युक्त एवं बासी भोजन न करे।
- धूप मे अधिक न निकले। कूलर या ए०सी० से धूप मे एकदम न निकले।

लू के लक्षण :

- सिरदर्द, बुखार, उल्टी, अत्यधिक पसीना एवं बेहोशी आना, कमजोरी महसूस होना, शरीर मे ऐंठन, नब्ज असामान्य होना।

लू के लक्षण होने पर ध्यान रखें :

- व्यक्ति को छायादार जगह पर लिटावें। व्यक्ति के कपड़े ढीले करे।
- उसे पेय पदार्थ कच्चे आम का पना आदि पिलाये।
- तापमान घटाने के लिये ठण्डे पानी की पट्टियाँ रखे।
- प्रभावित व्यक्ति को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र मे ले जाकर चिकित्सकीय परामर्श ले।

स्वास्थ्य विभाग

स्वास्थ्य विभाग

इस गर्मी हम मिलकर देंगे

चमकी की धमकी

ये 3 धमकियाँ याद रखो !

गर्मी का मौसम मतलब चमकी बुखार का डर। पर इस साल नहीं!
क्योंकि हम तैयार है। चमकी को एक नहीं 3 चोट मारेंगे।

अधिक जानकारी अथवा शिकायत दर्ज कराने के लिए निःशुल्क हेल्पलाइन नंबर **104** (टॉल फ्री) पर संपर्क करें

निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा हेतु डॉयल करें- **102** (टॉल फ्री)

@BiharHealthDepartment @BiharHealthDept @BiharGovHealthDept

जीवन बिहार... सपना हो साकार

ToB बालमन कविता

गर्मी

गर्मी आई गर्मी आई
धूप पसीना लेकर आई।

सूरज सिर पर चढ़ आता है
अग्नि के बम बरसता है।

मुझे नहीं यह बिल्कुल भाई
गर्मी आई गर्मी आई।

चलो बर्फ के गोले खाए
ठेले से अंगूर ले आए।

मटके के ठंडे पानी संग
गर्मी को हम दूर भगाए।

ऋतु कुमारी
वर्ग 5
उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा
भभुआ (कैमूर)

ToB बालमन जानकारी

मई 2024

गर्म स्थानीय पवन (Warm Local Winds)

लू (Loo):-

उत्तरी भारत में गर्मियों में उत्तर-पूर्व तथा पश्चिम से पूरब दिशा में चलने वाली धुलभरी, प्रचण्ड उष्ण तथा शुष्क हवाओं को लू कहतें हैं। यह हवा मई तथा जून में चलती हैं।

चिनुक (Chinook): -

यह प्रेयरी के मैदान में चलती है। इसके आने से बर्फ पिघल जाता है। अतः इसे हिमभक्षी कहते है। यह चारागाह के लिए अच्छी है। यह रॉकी पर्वत के पूर्वी ढ़ाल पर प्रभावित होती है।

फॉन (Foehn):-

यह स्वीटजरलैंड में आल्पस पर्वत पर चलती है। इसके आने से अंगूर पक जाता है।

सिरोको (Siroco):-

यह सहारा मरूस्थल से उत्तर की ओर चलती है तथा भूमध्य सागर से नमी (आर्द्रता) ग्रहण कर लेती है। इसमें बालू पहले से उपस्थित रहता है। जिस कारण इससे होने वाली वर्षा लाल रंग की दिखती है। जिस कारण इसे रक्त वर्षा कहते हैं।

हरमट्टन (Harmattan):-

यह गिनी देश में पश्चिम से पूर्व की ओर चलती है इसके आने से ठण्ड खत्म हो जाता है जिस कारण इसे डॉक्टर पवन कहते हैं।

वीरेन्द्र कुमार (शिक्षक)
UMS सिमरिया, भभुआ, कैमूर, बिहार

चेतना सत्र

पर्दा नशीन प्रा वि
करवन्दिया चांद
कैमूर

चेतना सत्र

विद्यालय करवन्दिया चाँद-कैमूर
मूल अधिकार
समझें- सोचें
पर्दा नशीन प्रा वि
करवन्दिया चांद कैमूर

विद्यालय करवन्दिया चाँद-कैमूर
मूल अधिकार
समझें- सोचें

ToB बालमन

अज़ब-गज़ब

मई 2024

1

कॉकरोच अपने छह पैरों से एक सेकंड में लगभग एक मीटर की दूरी तय कर लेता हैं।

2

दुनिया मे केवल 2% लोगो की आंखे हरी होती है।

3

मछलियों की यादाश्त केवल कुछ सेकंड के लिए होती हैं ।

4

लोकसभ 2024 चुनाव में शेखपुरा विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 68 पर नवविवाहित जोड़े ने शादी के मंडप से सीधे आकर मतदान किया।

5

शुतुरमुर्ग की आंख उसके मस्तिष्क से बड़ी होती है।

ToB बालमन

मई 2024

जरा मुस्कुरा भी दीजिए....

गोलू- रात भर मुझे नींद नहीं आई...!

भोलू- क्यों..?

गोलू :- रात भर मैंने सपने में देखा कि मैं जाग रहा हूं...!

.....

गोनू मोबइल कंपनी में इंटरव्यू देने गया पहले सवाल पर ही उसे भगा दिया गया...

सवाल- सबसे मशहूर नेटवर्क कौन सा है?

गोनू- कार्टून नेटवर्क।

नन्हें कलाकार

म.वि.पाढी चांद कैमुर

नन्हें कलाकार

म.वि.पाढी चांद कैमुर

नन्हें कलाकार

न्यू प्रा.वि.सेन्दुरा, चांद, कैमुर

म.वि.पाढी चांद कैमुर

नन्हें कलाकार

Urdu ps karwandia chand

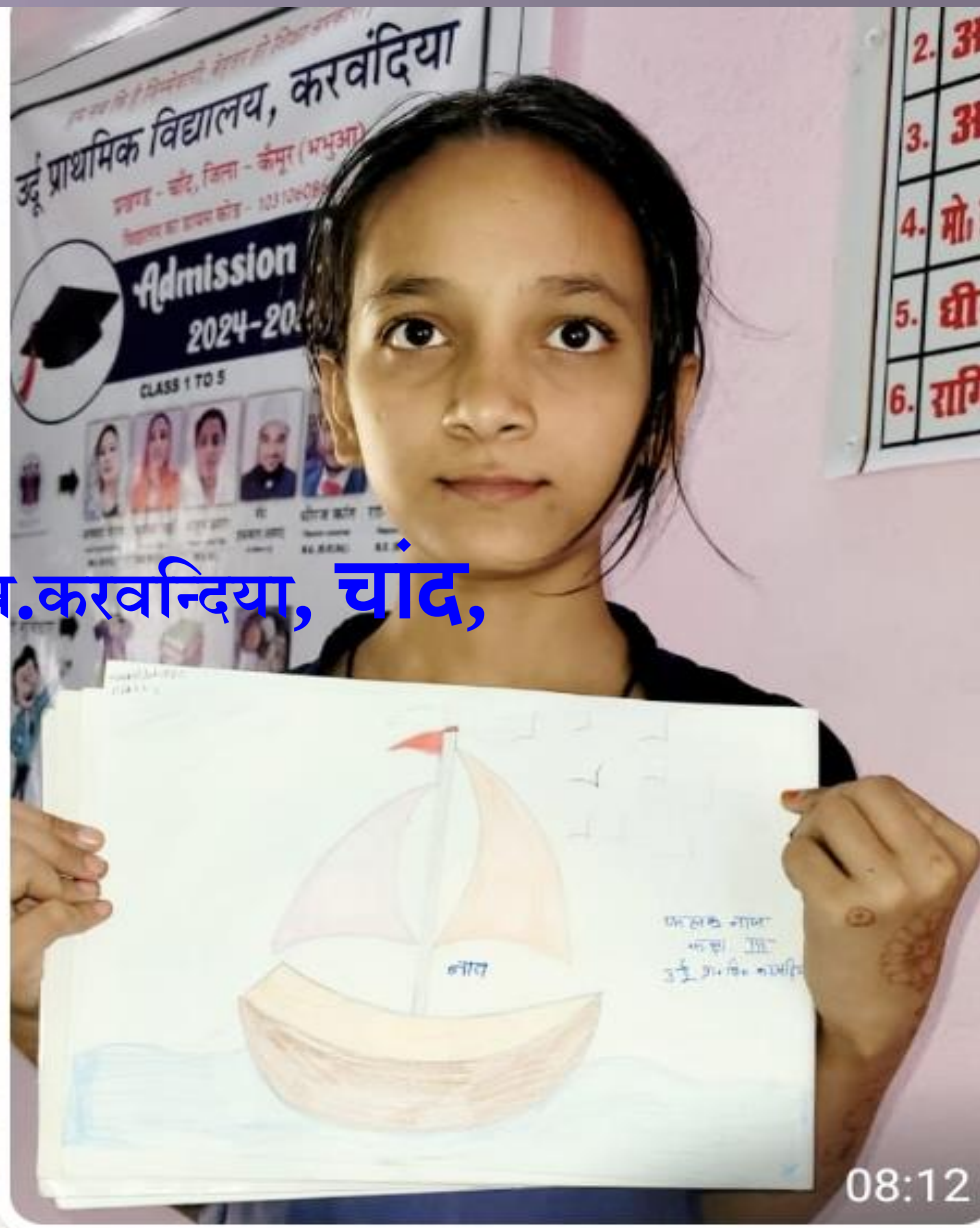

उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया, चांद, कैमुर

ToB बालमन अंतर खोजे

30 सेकंड में 5 अंतर खोजे

पेन व पैंसिल

उ.म.वि.सौखरा, चांद, कैमुर

पेन व पेंसिल

न्यू प्रा.वि.सेन्दुरा, चांद, कैमुर

पेन व पेंसिल

न्यू प्रा.वि.सेन्दुरा, चांद, कैमुर

पेन व पेंसिल

म.वि.पाढी चांद कैमुर

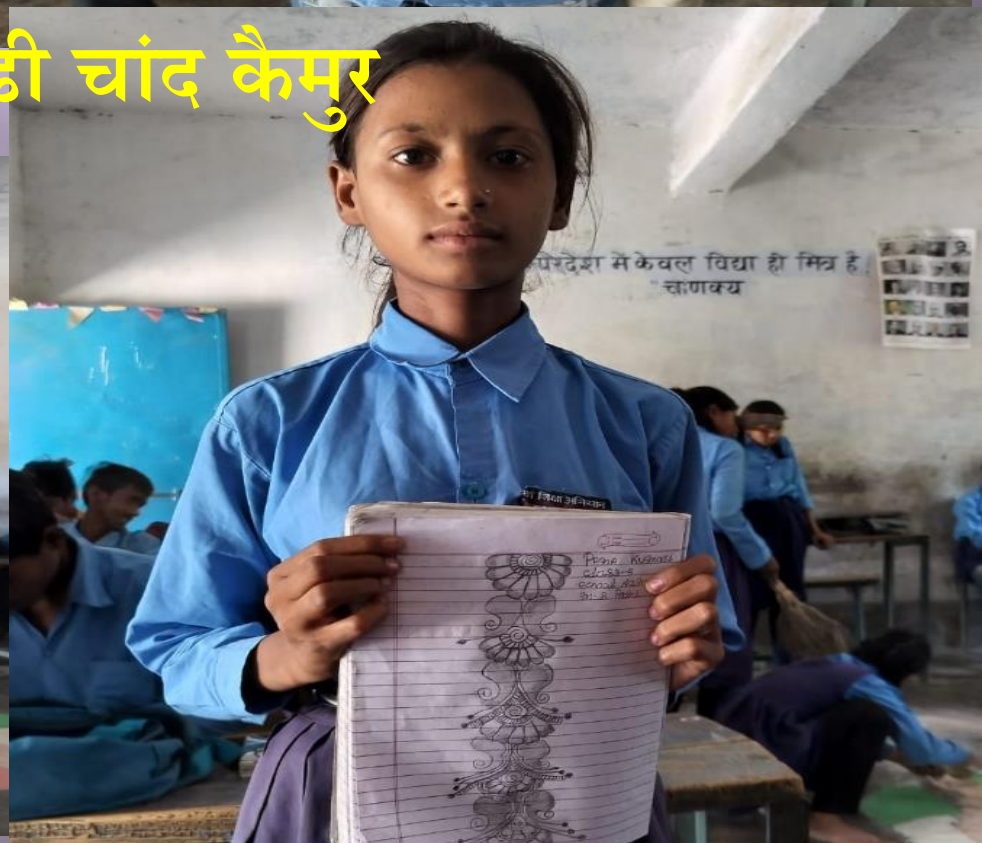

पेन व पेंसिल

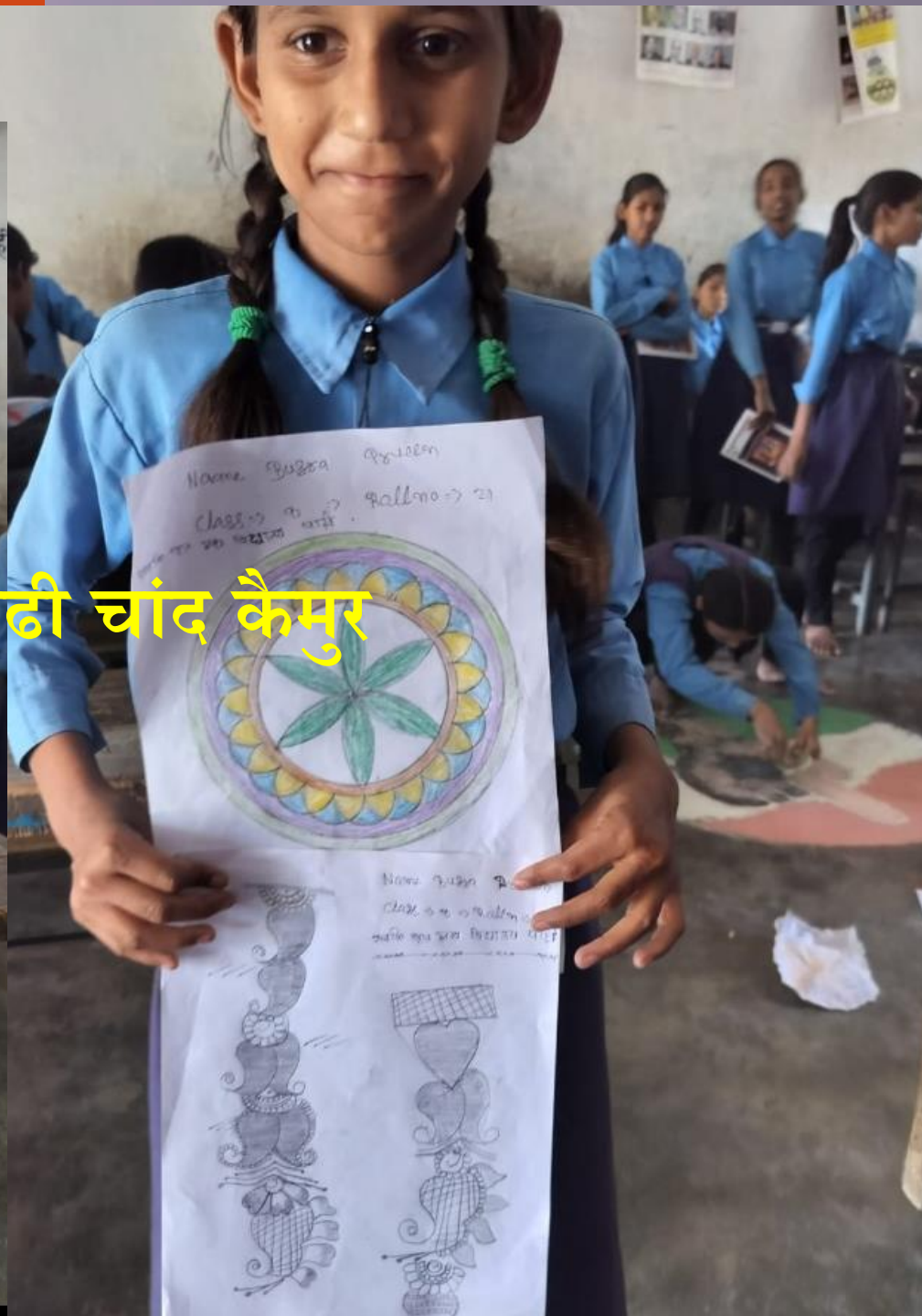

म.वि.पाढी चांद कैमुर

ToB बालमन कविता

मई 2024

गुलाब

देखो ये सुंदर गुलाब
लाल लाल सुंदर गुलाब

कांटों से है भरा हुआ
अपनी रक्षा में तना हुआ
फिर भी मधुर सुंगधि से
ग़म गम पवन महका रहा

मेरा ये सुंदर गुलाब
लाल लाल सुंदर गुलाब

काटों में भी हंसते रहता
खुश रहने की सीख सिखात
पंखुड़ियों से शीश नवाता
पुष्प गुलाब पुष्प गुलाब

मेरा ये सुंदर गुलाब
लाल लाल सुंदर गुलाब

शांति कुमारी (छात्रा)
वर्ग 8
UMS रांटी (मधुबनी)
बिहार

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

मई 2024

मेरी मां

तेरी प्यारी सूरत,
ममता की है मूरत,
तेरी गोद में मुझे मिलती है राहत,
तेरी मोहब्बत के सामने फिकी है सारी दौलत।

मेरी जन्म के बाद आपना जन्म दिन मनाना भूल गई,
मुझे सजाते संवारते खुद संवरना भुल गई,
मुझे सुलाते - सुलाते खुद सोना भुल गई,
मेरी खुशियों में शामिल हो कर
अपनी सारी गम भुल गई।

दुआ ये करते हैं हम सब ,
मेरी मां का उम्र दराज कर मेरे रब,
उसकी खिदमत करे त- उम्र हम सब,
उसकी दुआ सब कबूल करते है मेरे रब।

नाम- अक्स नाज (छात्रा)
कक्षा- 10
ठाकुरगंज (किशनगंज)
बिहार

ToB बालमन लघुकथा

मई 2024

मैं ही देश हूं

शहर कई दिनों से अशांत है। लोगों में नफ़रत और भय का माहौल है।कल तक जो लोग आपस में गले मिला करते थे, आज एक दूसरे की गर्दन काटने के फिराक में हैं। पहले एक शहर हुआ करता था, परन्तु फ़साद ने चार हिस्सों में बांटकर इसे अपनी-अपनी सीमाओं में लामबंद कर दिया है। शहर का वह चौराहा, जहां सभी पंथ के लोगों की नित्य चौकड़ियाँ जमा करती थीं, वीरान पड़ा है।

बम और गोलियों की आवाजों के साथ रह-रहकर फ़साद की खबरें आ रही हैं। इसी बीच चौराहे पर एक बूढ़ा व्यक्ति आता है जिसके शरीर के कई हिस्सों पर गोलियों और बमों के घाव तथा चेहरे पर खून के छींटें हैं। वह रह रहकर फसाद रोकने की गुहार करता है, पर कोई पक्ष उसकी एक नहीं सुनता है।कुछ समय उपरांत बूढ़े की वीभत्स स्थिति देख एक पक्ष की थोड़ी संवेदना जगती है ।वे सहमते हुए पास जाते हैं। लेकिन बूढ़े को सिर पर ताकियाह,गले में क्रास,ललाट पर गोरोचन,गेरु कुरता,हाथ में कड़ा,जेब में कंघा,कमर के नीचे नुंगी के अलावा पैरों में वर्क बूट पहने देख उन्हें यह समझ में नहीं आता है कि यह व्यक्ति किस संप्रदाय का है ?

दूसरे, तीसरे और चौथे पंथ वाले भी बूढ़े के पास जाते तो हैं, परन्तु उसके बदन पर अपने पंथ से अधिक दूसरे वालों के परिधानों को देख बिना कोई मदद किए लौट आते है।

सभी के लौटते ही पुनः गोलियाँ और बम चलने लगते हैं जो आ आकर बूढ़े की देह को और लहूलुहान बना देते हैं । इससे पीड़ित होकर वह चीख-चीखकर बोलने लगता है - "अरे बन्दों देखो, ये खून, ये घाव, यह पीड़ा सब तुम्हारे दिए हुए हैं। तुम लोग जितना आपस में लड़ोगे, मैं उतना ही जख्मी और कमजोर होता जाऊंगा। तुम लोग आपसी भेद-नफ़रत त्याग कर मुझे पहचानो।जानते हो मैं कौन हूँ ? नहीं ••• तो सुनो।मैं ही देश हूँ। हाँ हाँ, तुम्हारा देश।"

बूढ़े की पहचान होते ही सभी एक साथ उसकी ओर दौड़ पड़ते हैं। अब उन्हें अपनी गलतियों का अहसास हो चुका था।

लेखक परिचय

संजीव प्रियदर्शी

(सहायक शिक्षक)

फिलिप उच्च माध्यमिक विद्यालय बरियारपुर, जिला- मुंगेर

फोटो आंफ द मंथ

उ.म.वि.ईचांव, चांद, कैमुर

फोटो आंफ द मंथ

ToB बालमन क्विज

मई 2024

1

भारत के किस शहर को दक्कन की रानी भी कहते हैं?

A. पुणे B. 14 नागपुर

C. मैसूर D. चेन्नई

2

अठन्नी में कौन सा समास हैं ?

A. कर्मधारय B. तत्पुरुष

C. द्वंद D. द्विगु

3

बिहार मे लोकसभा की कितनी सीटें हैं?

A.32 B. 56

C. 40 D. 48

4

चार मीनार किस शहर में स्थित हैं?

A.हैदराबाद B. फैजाबाद

C. नई दिल्ली D. आगरा

5

"वेदों की ओर लौटो" नारा किसने दिया?

A.राजा राममोहन राय B. दयानंद सरस्वती

C. विनोबा भावे D. ईश्वर चंद्र विद्यासागर

सही उत्तर: 1.A ,2.D ,3.C,4.A,5.B

धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय बिलौटा भभुआ कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

आकृति कुमारी वर्ग 8
उ.म.वि.अर्रा मोहनिया
कैमूर

अर्रा मोहनिया, कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

दुसर प्रखंड आपन जिला

कोहारी कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

उ.उ.वि.कोटा नुआंव कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

दुसर प्रखंड आपन जिला

UHS School Nuaon DURGAWATI

उ.म.वि.दुघरा
भभुआ कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

प्रा.वि.रामपुर भभुआ, कैमूर

म.वि.इसडी, दुर्गावती, कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

दुसर प्रखंड आपन जिला

ToB राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

ओलम्पिक

सवाल - ओलंपिक खेलों की शुरुआत किस साल और कहां हुई थी?

जवाब- 1896 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक, जो आधिकारिक तौर पर पहले ओलंपिक के रूप में जाना जाता है. यूनान की राजधानी एथेंस में 6 अप्रैल से 15 अप्रैल 1896 के बीच यह बहु खेल प्रतियोगिता आयोजित हुई थी.

सवाल- ओलंपिक के पांच रिंग का असली मतलब क्या है?

जवाब- अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार, ये ओलंपिक रिंग खेल की सार्वभौमिकता को दर्शाते हैं. इन रिंग के जो रंग हैं, वह सभी देशों के राष्ट्राध्वज में दिखने वाले किसी न किसी रंग से मेल खाते हैं. ये पांच रिंग पांच पारंपरिक महाद्वीपों-अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप का प्रतिनिधित्व करते हैं.

| ओलम्पिक खेलों पर जरूरी जानकारी Part-3 |

जिन शहरों में दो बार ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन किया गया है वे हैं **एथेंस (1896 और 2004), पेरिस (1900 और 1924) और लॉस एंजिल्स (1932 और 1984)**

जिस शहर मे तीन बार ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल आयोजित किए गए हैं वह है लंदन **(1908, 1948 and 2012)**

ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों की अधिकतम बार मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका ने की है - **लॉस एंजिल्स (1932 और 1984), सेंट लुइस (1904) और अटलांटा (1996)**

एक ओलंपिक खेल के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए, खेल को व्यापक रूप से कम से कम **75 देशों और चार महाद्वीपों** में पुरुषों द्वारा, और कम से कम **40 देशों और तीन महाद्वीपों** में महिलाओं द्वारा खेला जाना चाहिए ।

दुसर जिला आपन राज्य

स्वराक्षी स्वरा
खगड़िया,बिहार

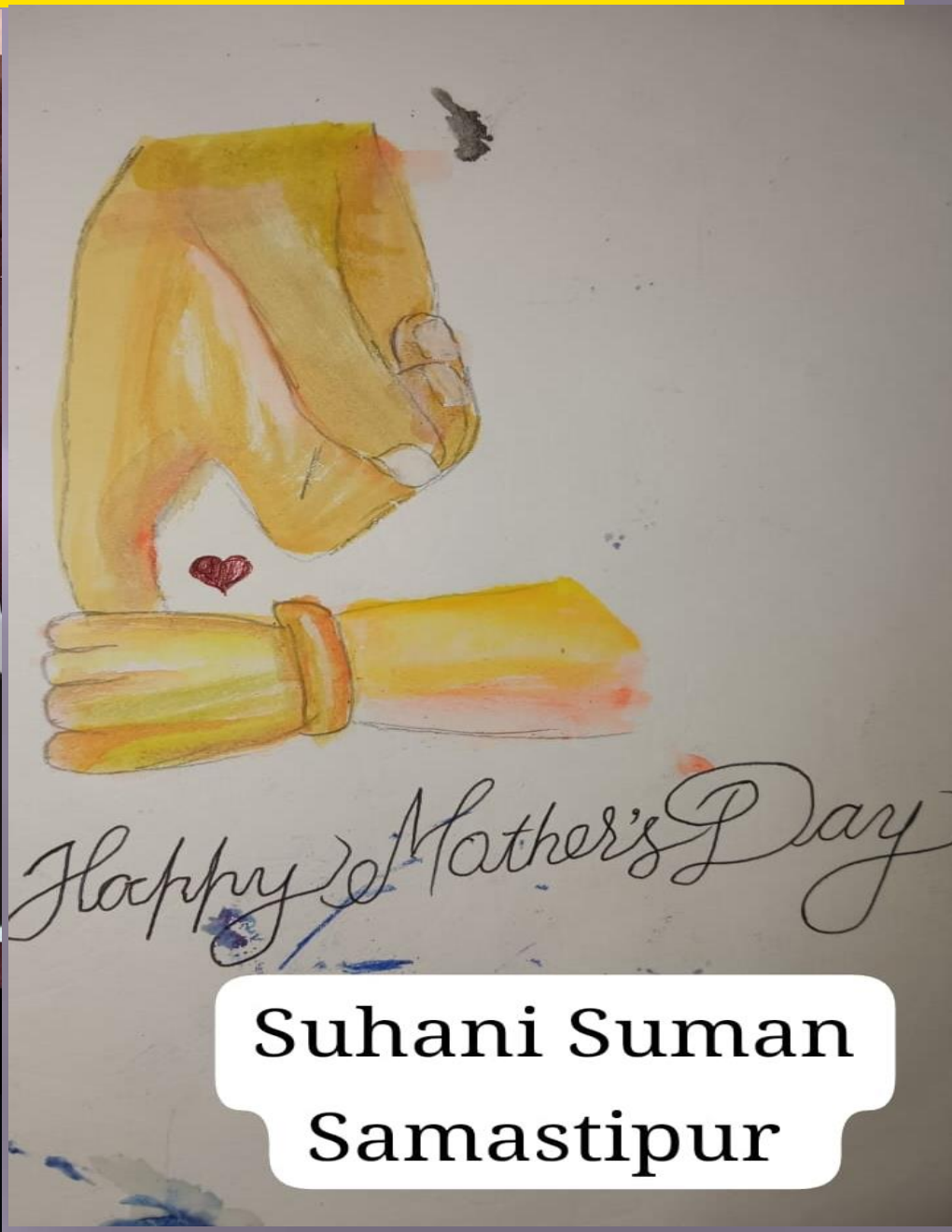

Suhani Suman
Samastipur

दुसर जिला आपन राज्य

दुसर जिला आपन राज्य

UMS BHATGAON-01, THAKURGANJ (KISHANGANJ)

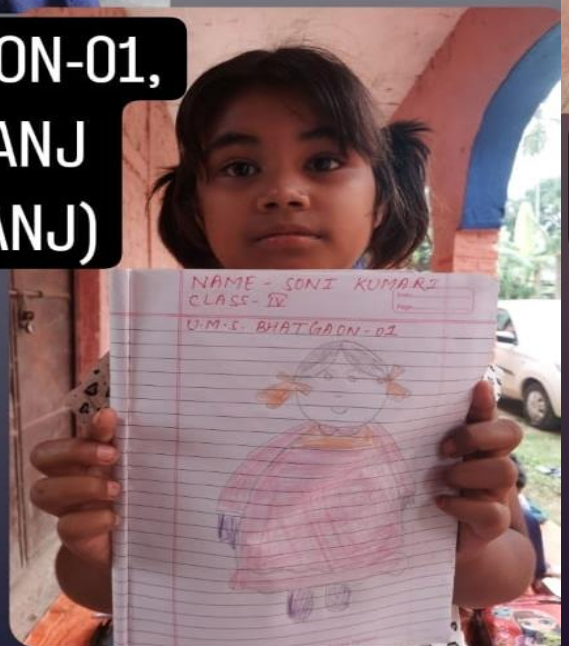

UMS BHATGAON-01, BLOCK THAKURGANJ, (KISHANGANJ)

दुसर जिला आपन राज्य

दुसर जिला आपन राज्य

प्रज्ञा पुष्पम वर्ग 06
मध्य विद्यालय हनुमान नगर,बेलदौर खगड़िया

अंकिता कुमारी वर्ग 04
मध्य विद्यालय हनुमान नगर बेलदौर,खगड़िया

दुसर जिला आपन राज्य

दूसर राज्य आपन देश

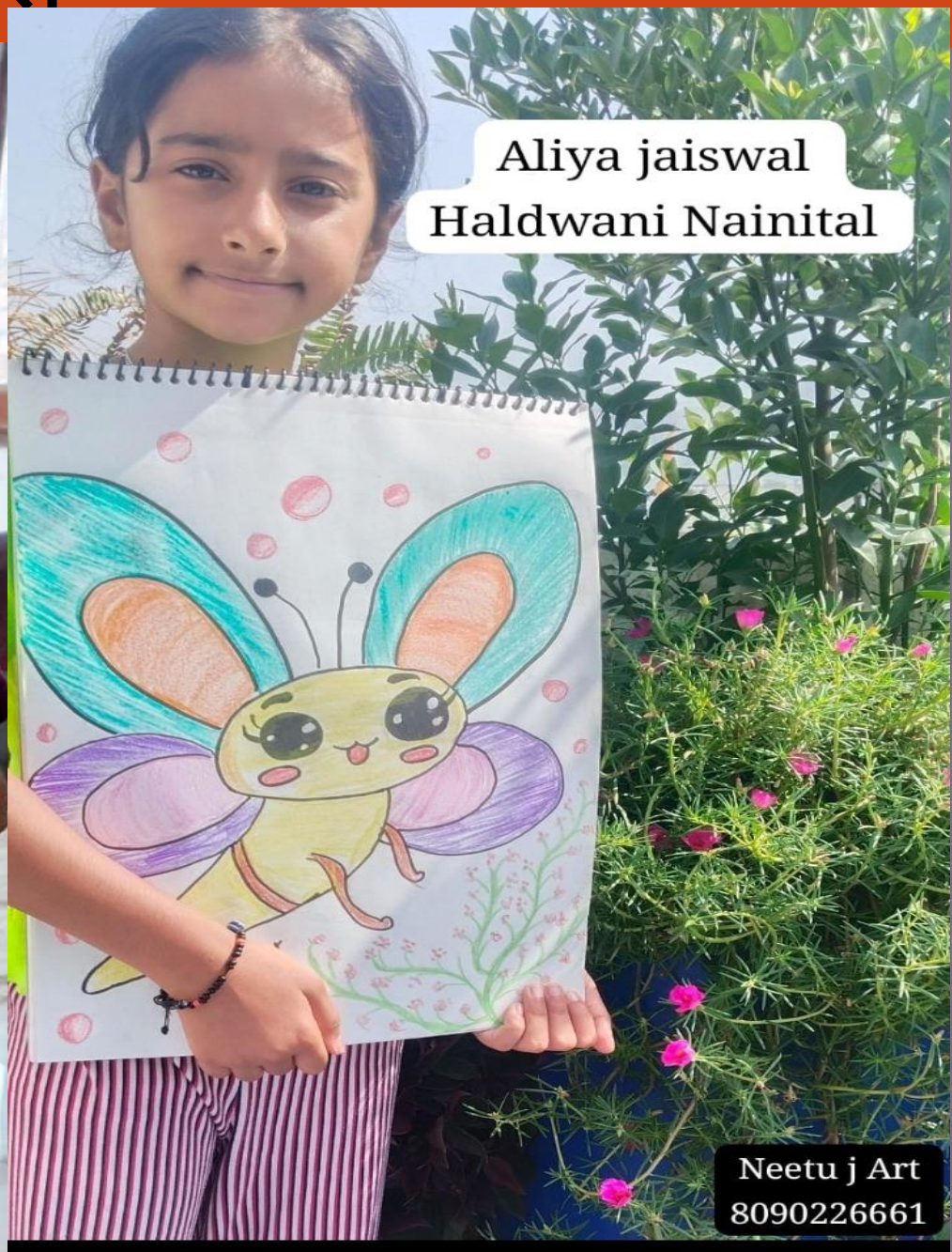

दूसर राज्य आपन देश

दूसर राज्य आपन देश

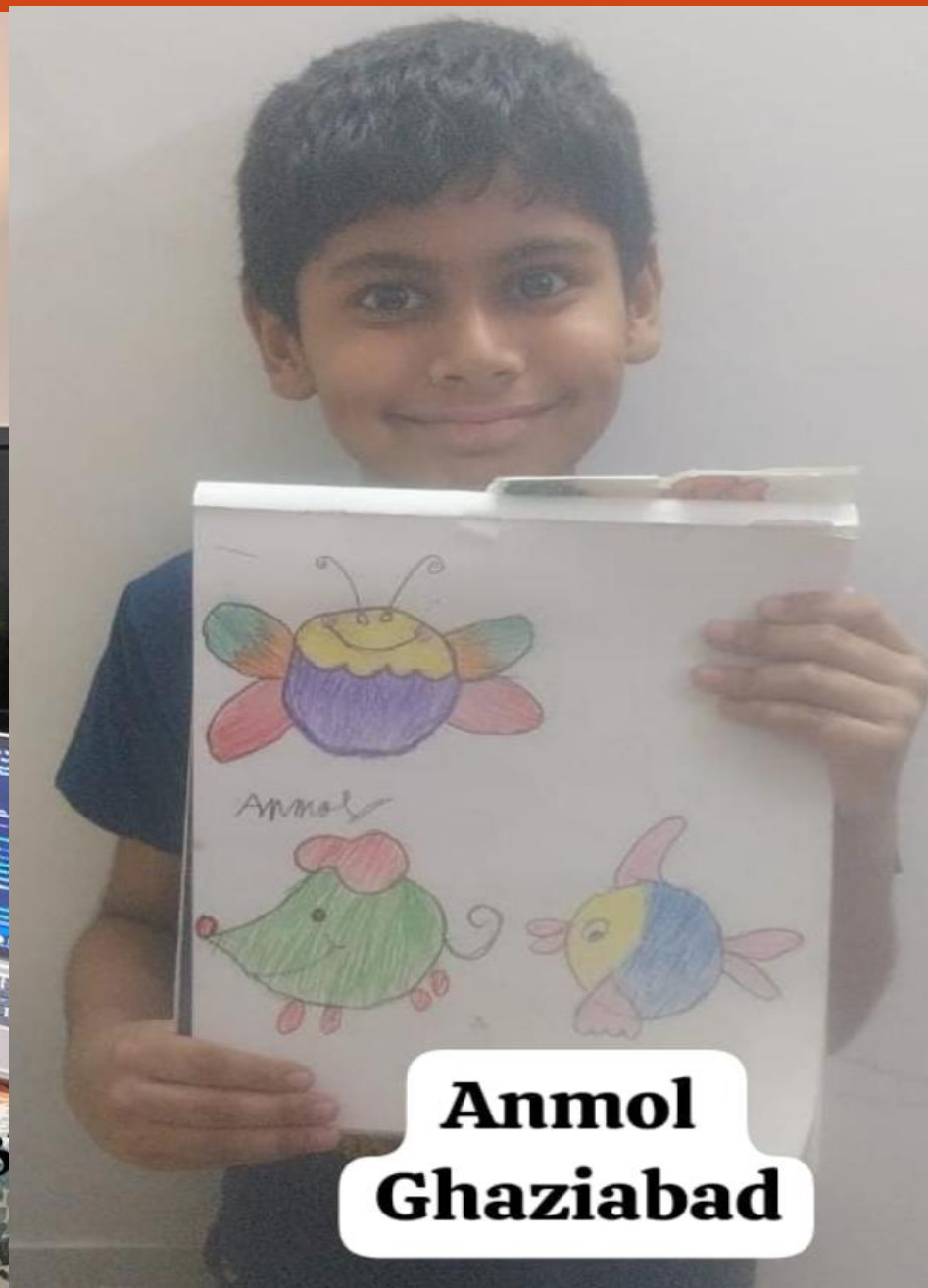

दूसर राज्य आपन देश

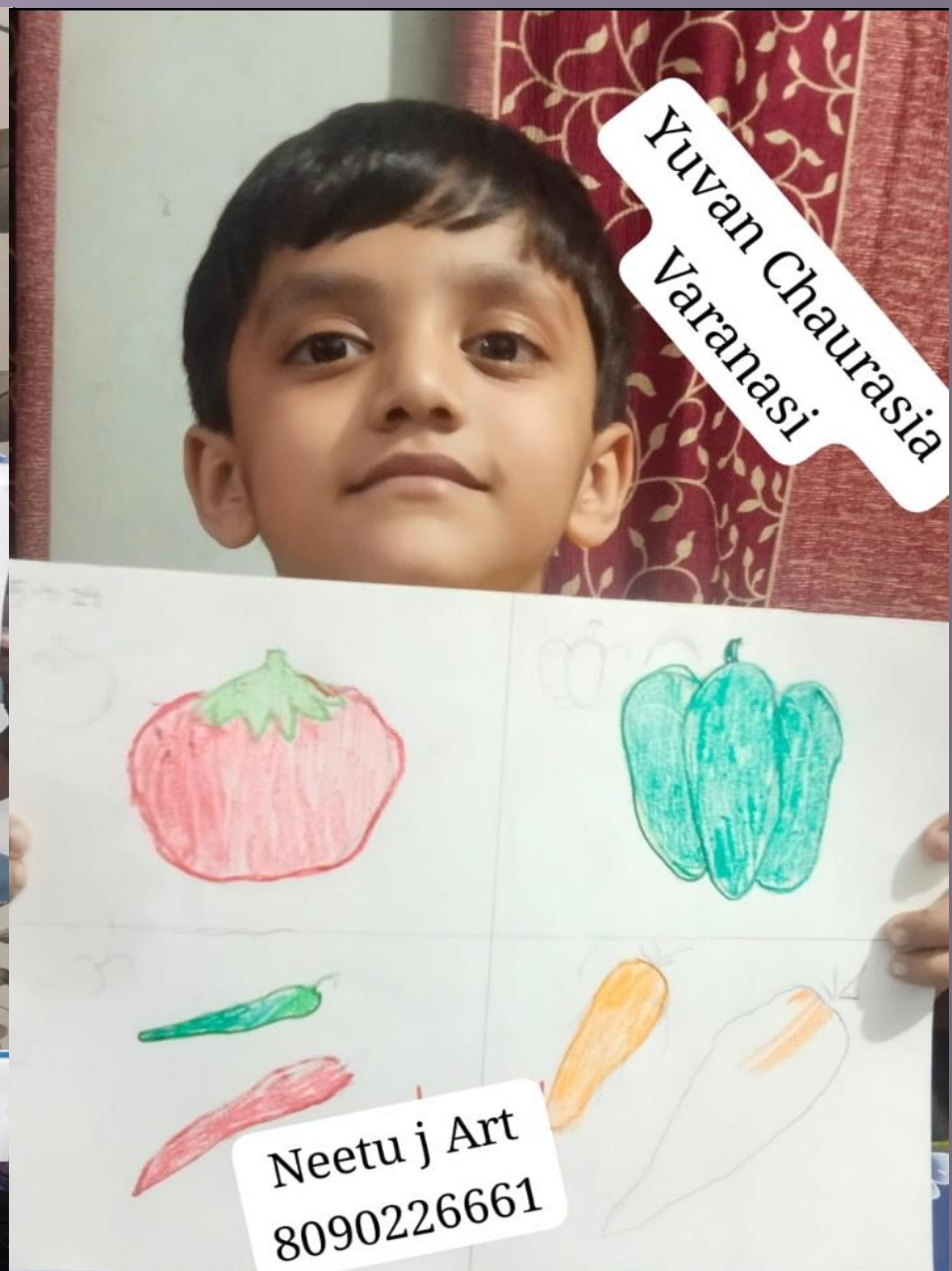

ToB बालमन शिक्षण अधिगम सामग्री (मई 2024)

*** TLM का नाम और विवरण:-** पाशा का तमाशा।यह दवाई के खाली डिब्बे से बनाया गया घन के आकार का एक TLM है, जिसके उपर अलग अलग संख्या में बिन्दी बनाई गई है।

*** वर्ग कक्ष/वर्ग कक्षों का विवरण जिसके लिए TLM उपयुक्त है:-** कक्षा 1 एवं 2

*** अधिगम प्रतिफल का विवरण जिससे TLM संबंधित है:-** इसके अधिगम प्रतिफल निम्नांकित हैं-

1. बच्चे 1से 9 तक की संख्याओं को गीनते और समझते हैं।
2. बच्चे 1से 9 तक की संख्याओं को संख्यांक में लिखते हैं।
3. बच्चे एक अंक की संख्याओं का जोड़, घटाव एवं गुणा करते हैं।

*** TLM को इस्तेमाल करने के तरीके:-** सबसे पहले बच्चों को फर्श पर गोलाई में बैठा दिया जाता है। फिर एक बच्चा को दो घनाकार TLM फर्श पर फेंकने के लिए कहा जाता है। TLM के ऊपरी भाग में जो संख्याएं दिखाई देती हैं,उन संख्याओं से बच्चे के अधिगम स्तर के अनुसार कई तरह के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

*** TLM के लिए आवश्यक सामग्री :-** दवाई का डब्बा, गोंद आदि।

*** अन्य महत्वपूर्ण जानकारी जो आवश्यक हो:-** कुछ विशेष नहीं।

धन्यवाद।

TLM। निर्माणकर्ता

नाम:- अवधेश राम
विद्यालय का नाम:- उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहुआरा
प्रखंड:- भभुआ
जिला:- कैमूर
whatsapp no. :- 8581943379
email id:- awadheshram54@gmail.com

मेरी सोच

ToB SCIENCE TLM

पोषण (जैव प्रक्रम)

कक्षा 10

प्राणीसम पोषण

- प्राणीसम पोषण वह पोषण है जिसमें जीव ठोस आहार ग्रहण कर उसे पचाता है और उसका उपयोग करता है।
- इस प्रकार के पोषण में जीव पोषण के विभिन्न चरणों को संपादित करता है।

1. अंतर्ग्रहण
2. पाचन
3. अवशोषण
4. स्वांगीकरण
5. बहिष्करण

- वैसे जीव जो प्राणीसम पोषण करते हैं उन्हें प्राणीसमभोजी कहते हैं। इस प्रकार का पोषण सामान्यतः जंतुओं में पाया जाता है।
- यह अमीबा, गाय, भैंस, कुत्ता, हाथी, घोड़ा, मनुष्य, मेढ़क, पक्षी आदि जीवों में पाया जाता है।

Class 9 Physics

वेग (Velocity)

किसी गतिमान वस्तु के विस्थापन की दर को या एक निश्चित दिशा में प्रति सेकंड वस्तु द्वारा तय की दूरी को वेग (velocity) कहते हैं।

$$\text{वेग} = \frac{\text{विस्थापन}}{\text{समय}}$$

- वेग का SI मात्रक मीटर/सेकंड है ।
- वेग सदिश राशि है ।

किसी वस्तु का वेग इकाई समय में वस्तु का विस्थापन है

पढ़ता बिहार बढ़ता बिहार

उ.म.वि.लेदरी, चांद, कैमुर

Teachers of Bihar

The change makers

गुणकारी सब्जियां

सेम

मुझमें कॉपर, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, प्रोटीन, कैल्शियम, फाइबर, मोनोअनसैचुरैटेड फैट,vitB6, थायमिन और नियासीन पाया जाता है।

Anu priya

www.teachersofbihar.org

कलाकृति

कलाकृति

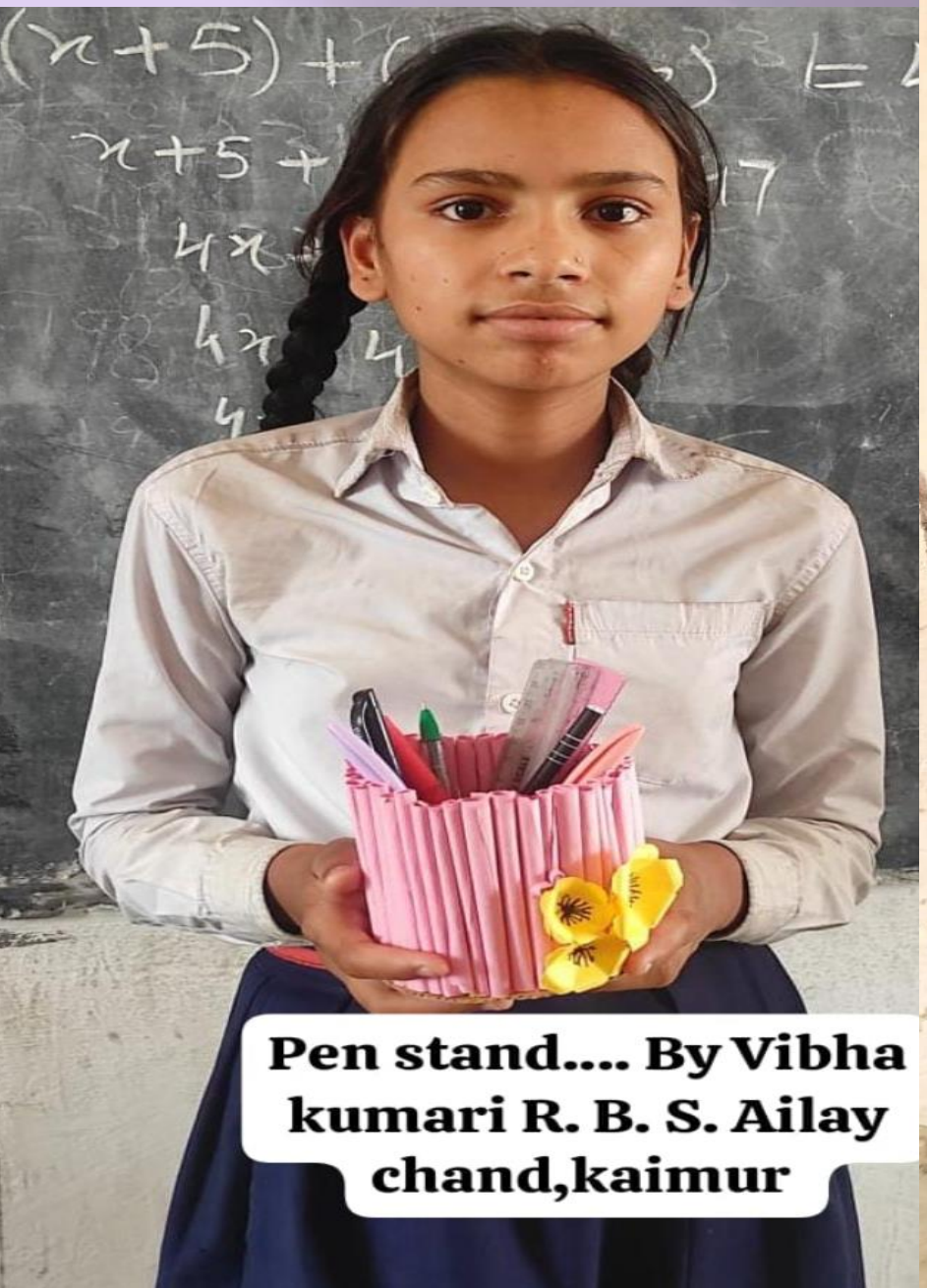

कलाकृति

अन्नू कुमारी
क.म.वि.चांद
कैमूर

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)

Rakesh Kumar
Middle School Balua Maher (Patna)

माह: मई

प्रथम शनिवार दिनांक **04.05.2024**	**विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना का सूत्रण**
द्वितीय शनिवार दिनांक **11.05.2024**	**विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना का सूत्रण**
तृतीय शनिवार दिनांक **18.05.2024**	**वज्रपात (ठनका) एवं चक्रवाती तूफान / आँधी से खतरे एवं इसके उपाय के बारे में जानकारी**
चतुर्थ शनिवार दिनांक **25.05.2024**	**अगलगी, लू से खतरे एवं बचाव के सन्दर्भ में जानकारी**

मेरी उड़ान

उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया, चांद, कैमुर

मेरी उड़ान

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

मार्च 2024

पर्यावरण बचाना है

सुखद भविष्य की कोरी
कल्पना कैसे करे हम
आओ हाथो से एक
पादप लगाये हम

करनी है रक्षा अपनी
और सारे विश्व की
हर हाल मे तो
ले संकल्प मिलकर

बांधे रक्षासूत्र वृक्षों पर
करें नदियों की पूजा हम
सभी को जीना है
अगर खुशहाल रहना है।

लगाये वृक्ष ,नदी, तालाब
को मरने से बचायें
हरियाली को अपने
जीवन का लक्ष्य बनायें

दुनिया को दिखायें
भारत मां की संस्कृति
हरेक वृक्ष मे भगवन
नदी में बस्ती मां गंगा है

चलो घर घर ये
संदेश पहुंचाना है
है सपूत माता भारती के
हमें पर्यावरण बचाना है

चंदना दत्त (शिक्षिका)
रांटी ,मधुबनी
बिहार

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

मई 2024

खेल-खेल में सीखें

एक दो तीन,
बच्चों बजाओ बिन।
चार पांच छे,
हम सब अच्छे ।।

सात आठ नव दस,
बोलो बच्चो बस।
ग्यारह बारह तेरह,
कभी मत करो कलह ।।

चौदह पंद्रह सोलह सत्रह,
सबसे करो आग्रह।
अठारह उन्नीस बीस,
कभी मत करो खीस ।।

अशोक कुमार
NPS भटवलिया नुआंव
कैमूर

मतदाता जागरूकता अभियान

म.वि.भरारी चांद, कैमुर

मतदाता जागरूकता अभियान

मतदाता जागरूकता अभियान

मतदाता जागरूकता अभियान

उ.म.वि.लोहदन, चांद, कैमुर

ToB बालमन

रोचक गणित

ABACUS [गिनतारा]

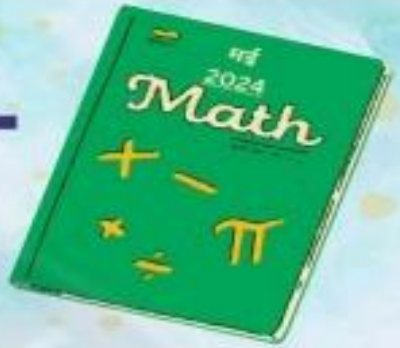

- अबेकस एक सदी पुराना गणित उपकरण है, जिसका उपयोग गणना के लिए किया जाता है।
- अबेकस का उत्पत्ति स्थान प्रमुख रूप से चीन को माना जाता है। चीनी अबेकस पर मूल रूप से लिखित दस्तावेज ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी का है
- आधुनिक समय में, अबेकस एक मस्तिष्क विकास उपकरण साबित हुआ है जो छोटे बच्चों में मानसिक अंकगणितीय क्षमताओं को बढ़ाने में भी सहायता करता हैं ।
- "क्रैनमर अबेकस", जिसका आविष्कार टिम क्रैनमर ने किया था, का उपयोग अंधे लोग गणनाओं को आसान और सटीक बनाने के लिए करते हैं।
- आज हम जिन कंप्यूटरों का उपयोग करते हैं वे संख्याओं में हेरफेर करने के उद्देश्य से "बाइनरी एबेकस" का उपयोग करते हैं। ASCII कोड का उपयोग कंप्यूटर द्वारा बाइनरी भाषा में पढ़े जाने वाले चिह्न, प्रतीकों और संख्याओं आदि को पढ़ने के लिए किया जाता है।

कुमार राकेश मणि
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा नुआँव कैमूर

चहक

उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया, चांद, कैमुर

उ.म.वि.दिवाने, चांद कैमुर

प्रा.वि.सिहोरिया, चांद, कैमुर

चहक

पर्दा नशीन प्रा **वि करवन्दिया चांद कैमुर**

उ.म.वि.शिवरामपुर, चांद, कैमुर

न्यू प्रा.वि.निन्दौर, चांद, कैमुर

न्यू प्रा वि कर्मापुर चांद, कैमुर

चहक

म.वि.सिलौटा, चांद, कै

म.वि.दिवाने, चां
कैमुर

उ.म.वि.दुगौली चांद कैम

प्रा वि शिव, चांद कै

न.वि.चांद कैमूर

न्यू प्रा वि महदाईच, चांद, कैमुर

चहक

उ.उ.वि.पहरैचा चांद कैमुर

उ.म.वि.बसहां, चांद, कैमुर

उ.म.वि.सोंगर, चांद, कैमुर

उ.म.वि.धोबहां, चांद, कैमुर

प्रा वि सुरहां चांद, कैमु

उ.म.वि.पावरा, चांद, कैमुर

चहक

न्यू प्रा वि लसाढी चांद कैमुर

म.वि चौरी चांद कैमु

प्रा वि सोनांव चांद कैमुर

प्रा वि सुरहां चांद कैम

न्यू प्रा वि बरहनी चांद कैमु

म वि कुडडी चांद कैमूर

चहक

उ म वि बड़हरिया चांद कैमुर

म वि बैरी चांद कैमुर

उ म वि दुलही चांद कैमुर

म वि चन्दोस चांद कैमुर

रंगोली

उ.म.वि.लेदरी चांद, कैमुर

रंगोली

चहक प्रशिक्षण बी आर सी चांद

चहक प्रशिक्षण बी आर सी चांद

चहक प्रशिक्षण बी आर सी चांद

चहक प्रशिक्षण बी आर सी चांद

शिक्षकों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

चांद. छोटे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा विभाग की ओर से वर्ग एक के नामित शिक्षकों का उन्मुखीकरण किया जा रहा है. इसको लेकर बीआरसी भवन चांद में वर्ग एक में पढ़ाने वाले शिक्षकों को एक दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण दिया जा रहा है. एक दिवसीय प्रशिक्षण में नये बच्चों को जोड़ना और उनका विद्यालय से लगाव कैसे हो, ताकि वह सही तरीके से पढ़ सके, इसके लिए बच्चों में पांच तरह के कौशल का विकास करने संबंधित जानकारी दी जा रही है. छोटे बच्चों में भाषा ज्ञान, शारीरिक, संज्ञात्मक, सामाजिक भावनात्मक व रचनात्मक कौशल विकसित करने के लिए वर्ग एक के नामित शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि बच्चों की शिक्षा की बुनियाद मजबूत हो सके और बच्चे विद्यालय और शिक्षकों से जुड़े रहकर आगे बढ़े. प्रशिक्षण प्रमोद कुमार निराला और दीप्ति सिंह दे रहे हैं. इस संबंध में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी चांद सत्येंद्र कुमार साह ने बताया कि विद्यालय तत्परता के लिए चहक कार्यक्रम के तहत वर्ग एक में नामित उन्मुखीकरण किया जा रहा है, ताकि बच्चों का त्वरित विकास हो सके. इस प्रशिक्षण के बाद कार्यक्रम 20 मई से तीन अगस्त 2024 तक किया जायेगा. मौके पर अंजूम आरा, कुमारी सुलेखा, इमरान, सुनील कुमार, चांदनी, विनिता

चहक कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण लेते शिक्षक.

महत्वपूर्ण दिवस

1 मई- मजदूर दिवस
8 मई- विश्व रेडक्रॉस दिवस
11 मई-राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस
12 मई-मदर्स डे
16 मई-राष्ट्रीय डेंगू दिवस
23 मई- बुद्ध जयंती
24 मई-भाई दिवस
31 मई- तंबाकू निषेध दिवस

बालमन टीम चांद कैमूर

आप अपने सुझाव और जवाब मोबाइल 9661547325 पर दे सकते है।

Thank you